per month in local calls. The result of the study showed the following effective charge per minute in respect of operators with the lowest tariff in each of the categories for fixed service, WLL (M) and cellular service. This is based on data furnished by service providers on 30.6.2003 in their Quarterly Report to TRAI.

Fixed		Re.0.78
WLL(M)	:	Re. 0.67
Cellular	:	Rs.1.12

Cellular operators are offering a variety of long distance tariff packages. The lowest rate per minute for a domestic long distance call from a mobile phone is less than the rate applicable for calls from fixed phones.

(c) The percentage of people using mobile services in the country is around 2.3%. This includes both cellular services and WLL (M) services.

New licence regime

†*244. SHRI NILOTPAL BASU: Will the Minister of COMMUNICATIONS AND INFORMATION TECHNOLOGY be pleased to state:

(a) whether by introducing 'unified licence' Government are migrating to a new licence regime;

(b) if so, whether Government are working out a miniumum reserve price for the licenses based on valuation of spectrum; and

(c) if so, the details thereof and if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF COMMUNICATIONS AND INFORMATION TECHNOLOGY (SHRI ARUN SHOURIE): (a) to (c) A statement is laid on the Table of the House,

Statement

(a) Yes, Sir.

(b) and (c) No.Sir. Based upon the recommendations of Telecom Regulatory Authority of India (TRAI), the prescribed entry fee for Unified Access Services Licence (UASL) is equal to the entry fee paid by the 4th

†Question No. 241 and 244 were taken together.

Cellular Operators where such an Operator is present. Where no such operator is present the entry fee is equal to the entry fee fixed by the Government for the Basic Service Operators (BSOs). The entry fee for migration of the BSOs (with or without Wireless in Local Loop facility) to UASL is equal to the entry fee paid by the fourth Cellular Operator for that service area, or the entry fee paid by the BSO itself, whichever is higher. No entry fee is to be paid by the existing Cellular Operators for migration to UASL. In addition, the Unified Access Services Licensee will be required to pay annual licence fee as a percentage of 'Adjusted Gross Revenue' as well as separate charges for the use of the spectrum.

डा. प्रभा ठाकुर : माननीय सभापति जी, मेरे प्रश्न के उत्तर में माननीय मंत्री जी की तरफ से जवाब दिया गया है कि सेल्युलर आपरेटरों द्वारा अनेक प्रशुल्क पैकज देने के कारण बुनियादी और मोबाइल फोनों के घरेलु टेलीफोन प्रशुल्कों की तुलना करना बहुत कठिन है। मेरा प्रश्न यह था कि क्या घरेलू फोन की दर मोबाइल फोन की तुलना में अधिक है ? यह बड़े अफसोस की बात है और महोदय, यह एक विचारणीय विषय है कि जबकि एक और प्राइवेट सेल्युलर कंपनियां लगातार आगे बढ़ रही है, मुनाफा कमा रही है। और सुल्युलर कंपनियां जो कि सरकार की संचार इनकम की संवाओं की सीढी लगाकर तरक्की कर रही है और आगे बढ़ रही है, वहां हमारी जो संचार सेवाएं है, वे लगातार मुनाफे की दूष्टि से पिछड़ती जा रही है और स्थिति यहां तक आ गई है कि वी एस एन एल के जो ग्रहक है, हर माह औसतन तीन लाख लोग कनेक्शन कटवा रहे हैं। यह स्थिति क्यों है और क्या कारण है कि प्राइवेट कंपनियों जो सुल्युलर सेवा दे रही है, उनसे वी एस एन एल और एम टी एन एल कंपनियां कंपीटीशन में पिछड़ रही है ?

श्री अरूण शौरी :सर पहली बात यह है कि कंपीटिशन के कारण जो रेट है, ये बहुत ज्यादा कोलैप्स करते हैं। सेल्युर रेट्स जैसा किमैम्बर ने कहा, कुछ ही साल हुए यह सेल्युलर रेट 16 रूपये प्रति मिनट के था। आज वह1 रूपये 70 पैसे प्रति मिनट हो गया है कंपीटिशन के कारण और यह सोचना कि आज कंपैरिजन किया जाए तो कोई 400 या 450 ऐसे ALTERNATE पैकेज हरेक सर्विस प्रोवाइडर ने और वी एस एन एल तक दे रखे हैं। - तो उनका कंपैरिजन करना बहुत मुश्किल होता है। काल फिक्स्ड लाइन से डब्ल्यू एल एल को जाए, काल फिक्स्ड लाइन सेल्युलर को जाए इन सबे रेट डिफरेंट होते हैं। सीजन में रेट डिफरेंट होते हैं। अभी रमजान में कई आरपेटर्स ने मिडिल ईस्ट की काल्स के लिए कंसेशन किए अभी बी एस एन एल ने दिसंबर जनवरी के लिए साउथ ईस्ट एशिया के लिए यययय के के लिए यूरोप के लिए अमेरिका के लिए विभिन्न प्रमोशनल स्कीम्स निकाली। इसलिए कंपैरिजन करना मुश्किल है। ट्राइ ने 400 मिनट लोकल काल्स के लिए सर्वे किया कि 400 मिनट के लिए कितना एवरेज कास्ट होती है, उसका रिजल्ट मैंने बताया है क्योंकि फिक्स्ड काल्स के रेट कम है और सेल्युलर के ज्यादा है।

सर,दूसरी चीज उन्होंने कही कि बी.एस.एन.एल पिछड़ता जा रहा है सेल्युलर के कंपैरिजन में यह बात बिलकुल ही गलत है क्योंकि अभी एक ही साल हुआ है जब बी एस एन एल की सेल्युलर सर्विस शुरू हुई थी और एक साल में यह देश के लिए गर्व की बात है कि उन्होने 43 लाख कस्टमर्स अपनाए है ओर इनसे डिमांड होती है कि"सेल वन"सर्विस हमारे एरिया में आए । तो आप विश्वस्त रहिए कि बी एस एन एल रेट्स में भी बिलकुल पेस सेट कर रहा है । सेल्युलर आपरेटर मेरे पास आएं हैं कि अगर आप बी एस एन एल पर लगाम नहीं लगाआगे तो हम खत्म हो जाएंगे क्योंकि वे रेट्स में कंपैरिजन कर रहे हैं ।

डा. प्रभा ठाकुर : सर, यह"राष्ट्रीय सहारा" की 3 दिसम्बर की न्यूज है जिसमें लिखा है कि बी एस एन एल के उपभोक्ताओं में हर माह औसतन तीन लाख ग्राहक कनेक्शन कटवा रहे हैं – इसके आधार पर मैंने यह बात कही थी ।

मेरा दूसरा सप्लीमेंटरी प्रश्न यह है कि देश में कितने प्रतिशत लोग मोबाइल सेवा का उपयोग कर रहे हैं ? माननीय सभापति जी, आज भी इस देश में अधिकांश लोग गांवों में, कस्बों में, छोटे शहरों में बेसिक घरेलू फोन पर निर्भर करते हैं । मोबाइल सेवा पर नहीं । तो यह एक वाकयी अफसोसजनक स्थिति है कि उत्तर में आया है कि लंबी दूरी के विभिन्न पैकेज के तहत मोबाइल फोन से घरेलु फोन पर काल की दर फिक्स्ड फोने की दर से कम हैं, लेकिन यह क्यों कम हैं ? जो विभिन्न पैकेज प्राइवेट सेल्युलर कंपनियां दे रही है, उनके मुकाबले सस्ता हो और आम आदमी को उसका लाभ मिलें ।

श्री अरूण शौरी : सभापति जी, पहली चीज तो यह है, आज यह सोचना कि फिक्स्ड लाइन का ही फोन गरीब आदमी के पास है या मिडिल क्लास आदमी के पास है, यह गलत चीज है । क्योकि मिडिल क्लास ही उसको अपना रहा है । आप देखिए कि सेल्यूलर फोन की तादाद इंडिया में ज्यादा है और अब हर महीने 13 लाख कंज्युमर्स और ले रहे हैं । Additional subscribers for cellular services are 1.3 million. This is the fastest growth in the world. और ये सिर्फ हमारे इतने अमीर लोग नहीं हैं कि 1.3 मिलियन अमीर ही ले रहे हो । दूसरी जो फोन सरेंडर हो रहा है ,ये इस कारण ही नही हो रहा है कि रेट्स ऊपर या नीचे हैं । आज भी सेल्यूलर का रेट ज्यादा है । आप उस फिगर को देखिए जो आंसर में दी गई है । हम चाहते हैं कि भी हम हो, चाहे कार में हीं, रेस्टोरेंट में हो हम कांटेक्टेबल हों और हम वहां से फोन कर सकें । दूसरे यह कि सेल्युलर सर्विस में तरह-तरह की सर्विसेज अवेलेबल है । उसमें एसएमएस एवेलेबल है कल वीडियो फोन भी आ जाएगा और ई-मेल अवेलेबल है । आप मेरे फोन पर फैक्स रिसीव कर सकते हैं, फैक्स भेज सकते हैं । तो इन सब चीजों के कारण फिक्स लाइन से लोग परे जा रहे हैं । सर मैं इसमें एक ही चीज एड करूगां कि हम आगे के लिए याद रखें कि फिक्स्ड लाइन को लगाना बहुत

एक्सपेसिव हैं । कंट्री का फ्यूचर इसमें हैं कि हम वायरलेस सिगनल को ज्यादा रेंज दे सकें । उस पर हम रिसर्च कर रहे है। जब 100-200 मील तक सिगनल जा सकेगा तो वायरलेस के जाल से हर एक लोग के पास मोबाइल हो जाएगा और खेत में हैं, उसके पास भी मोबाइल आयेगा ।

MR. CHAIRMAN: Dr.T. Subbarami Raddy.

DR. T. SUBBARAMI REDDY: Q.No. 246.

श्री सभापति : यह 246 नहीं है, यह 241 है ।

DR.T. SUBBARAMI REDDY: Sir, I will go to Q.No. 246.Today, I have got three questions.

श्री सभापति : अच्छा बैठ जाओ, कल आपने मुझ से शिकायत की थी कि आप मुझे सप्लीमेंट्री नहीं करने देते हो । तो ज्यों ही आप आए, मैंने नाम ले दिया । श्री संजय निरूपम ।..(**व्यवधान**).....

SHRI PREM CHAND GUPTA: Sir, Dr.T. Subbarami Reddy informed me that he has only four questions today!

श्री मोती लाल वोरा : सर, आपने यह सुविधा अकेले श्री सुब्बारामी रेड्डी को ही क्यों दे रखी हैं ।

श्री सभापति : इसलिए कि मैं जब कहता हूं, ये तभी बोलते हैं और जब कहता हूं कि मत बोलो तो नहीं बोलते ।

श्री संजय निरूपमः सभापति महोदय,मेरा पहला निवेदन यह है कि प्रश्न संख्या 241 और 244 लगभग एक ही तरह का प्रश्न है और इन्टर कनेक्टिड है, अगर इन दोनों को क्लब कर दिया जाए तो बहुत सुविधा हो जाएगी । यह नीलोत्पल जी का प्रश्न था ।

श्री सभापति : आप इस पर ही बोल लीजिए । इस पर बोलिए, क्लब करना ठीक नहीं है।

श्री संजय निरूपम : सभापति जी, टेलीकॉम के क्षेत्र में जबरदस्त क्रांन्ति हो रही है , जो दरें है वे निश्चित तौर पर नीचे जा रही है । लाइसेंसिग की पद्धति लगातार बदलती जा रही है । अब तक हमारे देश में टेलीकाम सेक्टर एनटीपी-99 यानी नेशनल टेलीकॉम पॉलिसी-99 के हिसाब से रेग्युलेट हो रहा था या चल रहा था । अचानक केबिनेट के फैसले के हिसाब से, मंत्रालय के फैसले के हिसाब से, एनटीपी पॉलिसी को जो प्राविजन था, जो उसके प्रावधान थे, वे बदल दिए गए हैं और अब यूनिफाइड लाइसेंस यानी अलग-अलग सेक्टर के हिसाब से जो लाइसेंस दिए जाते थे उसके बजाए एक कॉमन लाइसेंस दिया जाता है । मेरा यह कहना है कि एनटीपी पॉलिसी को पूरी तरह से चेंज करने से पहले आप पाल्रियामेंट में क्यों नहीं लाए ? एनटीपी पॉलिसी को पार्लियामेंट में लाया गया था ।

और उस पर डिसकशन हुआ था । सुप्रीम कोर्ट या टीडी सेल में जो व्यवस्था हैं.....

श्री सभापति : हो गया क्या ?

श्री संजय निरूपम : उन व्यवस्थाओं ने डब्ल्यूएलएल के हिसाब से या फिर जो एक लाइसेंस लिया है वह व्यक्ति उसी लाइसेंस में आपरेट कर सकता है अगर दूसरे लाइसेंस में जाता है तो उसके विरूद्ध में उन लोगों ने अपनी बातें कही थी । इसके बावजूद उनका विरोध समझने के लिए .....

श्री सभापति : आप क्या कहना चाहते हैं ?

श्री संजय निरूपम : उनके विरोध को समझने के बजाए उनको ठुकराने से पहले अगर एनटीपी-99 के वायलेशन के कार्यक्रम चल रहे थे तो वे उसके लिए पार्लियामेंट में आकर, जो ज्यू यूनिफाइड लाइसेंस पॉलिसी है उसको लेकर क्यों नहीं आए और क्यों ये डिसकशन नहीं किया ?

श्री अरूण शौरी : सर,मैने सुना नहीं कि आपने यह इजाजत दे दी है कि 241 और 244 को क्लब कर दिया जाए । यह तो 244 का क्वेश्चन है । आप चाहें तो मैं जवाब दे देता हूं ।

श्री सभापति : 244 किसका है ?

श्री संजय निरूपम : सर, 244 का क्वेश्चन है ....(**व्यवधान**).....

श्री सभापति : नहीं , वे है नहीं ।....(**व्यवधान**).....आप बैठ जाइए ।

श्री अरूण शौरी : सर, मैं तो बहुत चाहूंगा कि डिसशिन वगैरह हो यादि आप एलाऊ करेंगे तो ।

श्री सभापति : आप एक का ही जवाब दीजिए । एक का ही जवाब दीजिए ।

श्री अरूण शौरी : सर, यह क्वेश्चन लाइसेंसिंग पॉलिसी का है । इन्होनें कहा कि 244 क्लव कर दें । मैं अभी जवाब दे देता हूं, यदि आपकी आज्ञा हो तो ।

श्री सभपति : मेम्बर हैं नहीं । क्या नीलोत्पल जी आएंगें ?

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Sir, there is a point of procedure. If you remember, I had brought to your attention one memorandum, fro... an official of the Department of Communications, informing the Members of Parliament, that the policy has been changed. Now, the question which he is asking relates to that. It is a common thing how the Parliament was not informed! I think that was a point which I had already raised.

श्री सभापति : दूसरा क्वश्चन आप पूछ लीजिए । .....(**व्यवधान**)....

SHRIDIPANKAR MUKHERJEE: That was a very unusual procedure of not informing the Parliament about the policy decision. *...(Interruptions)...*

श्री सभापति : एक मिनट ठहर जाइये। **...(व्यवधान)...** आप पूछ लीजिए, 2441

श्री दीपांकर मुखर्जी : मैं तो 244 का नहीं हूं।

श्री सभापति **:** नहीं , वह नीलोत्पल जी है नहीं, इसलिए आप पूछ लीजिए। **....(व्यवधान)....**फिर आप जवाब दोनों का दे दीजिए।

SHRI ARUN SHOURIE: Sir, the statement has been placed on the Table of the House. I am happy about the new procedure. Sir, new policies should be welcomed by new procedures of the House!*...(Interruptions)...* Sir, if I may just give the answer to that, there has been a full consultation on this. टी आर ए आई ने unified licensing policy का जुलाई में कंसल्टेशन पेपर जारी किया और अगस्त तथा सितम्बर में इसकी ओपन हाउस हीयरिंग्ज हुई। उसके बाद प्राइम मिनिस्टर साहब ने ग्रुप आफॅ मिनिस्टर्ज बनाया अंडर द फाइंनास मिनिस्टर। हमारी रेकमेंडेशन थी कि सात-आठ इश्यूज़ आ गई है,कई इश्यूज कोर्टस में हैं उस पर गवर्नमेंट कोलैक्टिवली इंटर मिनिस्टीरियल कंसल्टेशंस करके आगे चले। सर , यह तो कहते हैं कि किसी को ठुकराया गया,किसी को ठुकराया नहीं गया। सेलुलर आपरेटर्स अनफॉर्चुनेटली जब से यह सैक्टर खुला है, हमेशा कोर्टस में जाते रहे हैं, कभी एक मुद्दा लेकर और कभी दूसरा मुद्दा लेकर। मैं जानता हूं संजय निरूपम कितने कंसर्ड है एमटीएनएल के लॉसेज से, सरंडर आफॅ टेलीफॉज से। आप जानते हैं सर एमटीएनएल, को जब सेलुलर सर्विस का लाइसेंस दिया गया तो यही सेलुलर एसोसिएशन्स कोर्ट में गई और दो साल तक उनकी सर्विस नहीं चलने दी। उसके बाद नई गाइडलाइज़ आई,तब कोर्ट में चलें गए। अब भी कोर्ट में चले गए। **...(व्यवधान)...**

श्री सभापति : और भी चले जायेगें।

श्री अरूण शौरी : नहीं, सर अभी मुझे पूरा यकीन है कि इस बार हमने जो निर्णय लिए हैं, न्यू लाइसेसिंग पालिसी में, यूनिवर्सल लाइसेंस ये, दो-तीन साल में इस सैक्टर की शक्ल बदल देंगें। इसी तरह ग्रुप आफॅ मिनिस्टर्ज़ ने इंटर सर्किल मर्जर्स और इंट्रा-सर्किल पर जो निर्णय लिए है और स्पैक्ट्रम प्राइमिंग स्पैक्ट्रम एलोकेशन पर और जो डिफेंस मिनिस्ट्री के साथ हमने कोआर्डिनेट करके इस सैक्टर के लिए ज्यादा स्पैक्ट्रम अवेलेबल हो, वह काम शुरू किया है, उससे आप देखिए कितना कंपीटिशन होगा और कितना फायदा होगा और लिटीगेशन भी**....(व्यवधान)....**एक सैकंड **...(व्यवधान).....**

श्री सभापति : आप बीच में मत बोलिए । मैं एलाउ नहीं करूंगा ।

श्री अरूण शौरी : और जो लिटीगेशन है वह भी इससे कम होगी । इसका एक मैं आपको उदाहरण दे दूं, सर कि इस बार केस आना था सुप्रीम कोर्ट में और हम तैयार थे, मगर सेललुर ऑपरेटर्ज ने प्ली की कि यह केस पोस्टपॉड कर दिया जाए । उनकी जो कंपेसेशन वगैरह की मांगे हैं, वे आज फाइनांस मिनिस्टर साहब के सामने है । डिपार्टमेंट आफॅ टेलीकामॅ की तरफ से हमने अपनी प्रोजोज़ल्ज भी उनको दे दी है । जैसे ही वे एप्रूव करेंगे, वह सारा पैकेज भी हम एनांउस कर देंगे ।

श्री सभापति : **ठीक है । ....(व्यवधान)....**

श्री संजय निरूपम : सभापति जी,जवाब नहीं आया । **....(व्यवधान)...**

श्री सभापति : देखिए, जवाब आया या नहीं आया, यह मुझे तय करना है । यह जवाब आ गया है इसमें । **....(व्यवधान).....**

श्री दीपांकर मुखर्जी : नहीं , सर जवाब नहीं आया । **....(व्यवधान)....**

श्री सभापति : नहीं आप ऐसा मत कहिए । जवाब आ गया ।**...(व्यवधान)...**

श्री सजंय निरूपम : मैंने पूछा था कि पार्लियामेंट में क्या नहीं प्लेस किया जाए ...(व्यवधान7....

श्री सभापति : हां यह बता दीजिए । **....(व्यवधान)...** बस,बात हो गई । देखिए **...(व्यवधान)....** अब आप बैठिए । आप बैठिढ ।**....(व्यवधान)...**

श्री संजय निरूपम : पार्लियामेंट को कंफीडेस में **....(व्यवधान)..**

श्री सभापति : यह बता दीजिए इनका । **.....(व्यवधान)...** बस हो गई, उन्होंने समझ ली है । **....(व्यवधान)....**

श्री अरूण शौरी : सर, जंहा तक मुझे याद है एनटीपी पॉलिसी की डिसकशन जरूर हुई थी । ऐसी पॉलिसी स्टेटमेंट्स एजुकेशन पर आती है, सांइस पालिसी पर होती है, हैल्थ पॉलिसी पर एनाउंस होती है , उन पर आप जब चाहिए, मैं तो खुद चाहूंगा कि हमने टेलीकॉम पालिसी में रेवाल्यूशनरी स्टैप्स लिए हैं, आप सब चाहेगें, हम आपके आगे आयेंगे और वह जो एनटीपी ९९ थी , उसको अमेंड करके जो सारी चीजें है, नोटिफिकशन....**(व्यवधान)....**

श्री सभापति : बैठ जाइये । **....(व्यवधान)...**

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Sir, it is not a question

o1...(Interruptions)...Th\s is not the answer to the question raised by him. ... *(Interruptions)...* This is a question of procedure. *...(Interruptions)...*

श्री सभापति : बस, अब आ गई बात । **....(व्यवधान)...**

SHRIDIPANKAR MUKHERJEE: No, Sir.This is a very basic question. It is a question of parliamentary privilege. NTP was discussed in the Parliament. Now, when there has been a change in the policy, whatever he is saying now *...(Interruptions)...*

MR. CHAIRMAN: It has been discussed. *...(Interruptions)...*

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: Whatever he has been saying should have been told, about a change in the policy, first to the Parliament. *...(Interruptions)...* Why was it not done? *...(Interruptions)...* Why was it not done?

SHRI ARUN SHOURIE: The Parliament was not in session *...(Interruptions)...*

SHRI DIPANKAR MUKHERJEE: That is the question. *...(Interruptions)....* After the policy was being discussed, what is the idea? *...(Interruptions)....*

श्री सभापति : आप एक मिनट सुनिए, डिस्कशन में आप यह समझते है कि डिसीजन हूआ था ? डिसीजन में कोई चेंज हो**...(व्यवधान)...** मेरी बात सुन लीजिए । **...(व्यवधान)...** आप ऐसे मत कीजिए । Please hear me**.....(व्यवधान)...**

श्री अरूण शौरी : सर, लाइसेसिंग से इसका ताल्लुक ही नहीं है । **...(व्यवधान)...**

श्री संजय निरूपम : बिल्कुल ताल्लुक हैं । **....(व्यवधान)...**

श्री अरूण शौरी : सर,मेंबर साहब जानते नहीं है, स्पेक्ट्रम फीस टी.आर.ए.आई. डिटरमिन करेगा ।

श्री संजय निरूपम : मैं इसे स्पष्ट कर दूं । **....(व्यवधान)...**

MR. CHAIRMAN: Please listen to me. (Interruptions)... Please listen to me *(Interruptions)...* मेंबर साहब, आप सब जानते हैं।**....(व्यवधान)....**बैठ जाइए ।

श्री संजय निरूपम : हमने सेलुलर ऑपरेटर्स को कहा है**...**स्पैक्ट्रम फीस देते हैं और उसके बाद लगभग एक हजार करोड़ के आसपास आता है**...(व्यवधान)....** तो पूरे देश में वही ऑपरेशन चार्ज, वही ऑपरेशन फीस, यह 1400 करोड़ में आ रहा है । **...(व्यवधान)...**

श्री सभापति : माननीय सदस्य बैठ जाइए । अब अति मत कीजिए । आप भी बैठ जाइए। श्री मति दुर्गा ।

SHRIMATI N.P. DURGA: Sir, I would like to know from the hon. Minister whether it is true that recently the MTNL has launched three new schemes in its advanced Wireless in Local Loop network. If the answer is yes, what are the details of the schemes and how are they competitive and cheaper compared to fixed line services?

SHRI ARUN SHOURIE: Sir, yes, various schemes have been launched over the time. I will give the details. There are ten or fifteen of them. I will get the details and supply them.

श्री रमा शंकर कौशिक : श्रीमन्, माननीय मंत्री जी ने बहुत- सी नीतिगत बातें बताई और बहुत से फैसले की बातें कहीं और आगे भी आने की बात कही । श्रीमन्, प्रश्न यह है कि"कारवां क्यों लुटा ।" श्रीमन् लाखों की तादाद में इनके टेलीफोन कटते जा रहें हैं क्योंकि इनकी सर्विस संतोषजनक नहीं है । मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि इस दौरान कितने देहातों, कितने कस्बों और महानगरों में आपके टेलीफोन कटे ? क्या इसका कारण केवल असंतोषजनक सर्विस है और उस असंतोष को दूर करने के लिए आप क्या उपाय कर रहे हैं ?

श्री सभापति : संख्या बताने के लिए तो नोटिस चाहिए, असंतोष को दूर करने के लिए कुछ कह सकते हो तो कह दीजिए ।

श्री अरूण शौरी : सर,बहुत से स्टेप्स लिए जा रहे हैं । टी.आर.ए.आई. की भी गाइडलांइस है । इससे बी.एस.एन.एल और एम.टी.एन.एल. कंसर्न्ड हैं । ....(**व्यवधान**)... सर,कई स्टेप्स लिए जा रहे हैं, जैसे कि तकरीबन उन्होंने फार रजिस्टरिंग कम्पलेन्ट्स 1300 सैंटर्स बनाए है । वे मॉनीटरिंग करते है कि टेलिफोन कम्प्लेंट कब आई और कितनी देर में उसको सॉल्व किया गया । मगर आप देखिए कि माइग्रेशन एक अलग चीज है और टर्मिनेशन आफॅ कनेक्शन दूसरी चीज है । सर,कई बार ऐसा होता है कि बिल पे न किए जाएं तब भी लोगों की लाइनें काटी जाती है और काटनी भी चाहिए । सर, एक चीज अगर आपकी इजाजत हो तो कह दूं । एन.टी.पी.99 के समय में यहां नहीं था, NTP 1999 was also subsequently supplied to the Parliament. मुझे बताया गया । हालांकि मैंने उसे वैरिफाय नहीं किया , मगर वह डिस्कशन हुआ था । इसलिए मैं आपसे आग्रह करता हूं कि आप जब चाहें हमारे नए टेलिफोन स्टेप्स के बारे में मैं बात करने के लिए तैयार हूं ।